

Sugar-cane Crop in Punjab

1726. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state the extent of damage done in 1956-57 and 1957-58 to the sugar-cane crop in Punjab by red rot disease?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): The incidence of red rot disease to the sugarcane crop in the Punjab is not appreciable. The extent of damage in 1956-57 and 1957-58 is reported to be about 100 and 150 acres respectively, scattered throughout the State, out of the total area of 4.92 lakhs under sugarcane.

दिल्ली में उर्वरक

१७२७. श्री नवल प्रभाकर : क्या साख तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दिल्ली के किसानों को उर्वरक खरीदने के लिये भ्रत्पावधि ऋण दिये हैं ;

(ख) यदि हां, तो यह ऋण किन शर्तों पर दिये गये हैं ; और

(ग) यह ऋण प्रति एकड़ कितना दिया गया है ?

साख तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन) : (क) से (ग). दिल्ली प्रशासन में उर्वरकों को बांटने के मौजूदा तरीके के अनुसार, दिल्ली स्टेट कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेडको, कर्जों पर उर्वरक दिये जाते हैं, जो किसानों को उनकी समितियों द्वारा उधार पर बांटे जाते हैं और किसानों से कर्जों की बसूली सीधी समितियों द्वारा की जाती है। इसलिये उर्वरकों को खरीदने के लिये किसानों को भ्रत्पावधीन ऋण नहीं दिये जाते हैं।

उर्वरक

१७२८. श्री नवल प्रभाकर : क्या साख तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली राज्य के किसानों में सुपरफास्फेट उर्वरक को लोकप्रिय बनाने के लिये कोई अनुदान देने का सरकार का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो कितने किसानों को ; और

(ग) उनको किस प्रकार से सहायता दी जायगी ?

साख तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन) : (क) जी हां।

(ख) संख्या मालूम नहीं है।

(ग) उर्वरकों की बांट, दिल्ली स्टेट कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, दिल्ली द्वारा की जाती है, जिससे ७३ सदस्य सहकारी समितियां संबद्ध हैं।

दिल्ली के समस्त किसानों की, जो सहायता मांगते हैं, उनको सहकारी समितियों द्वारा उर्वरक सब्सिडाइज्ड रेट्स (subsidised rates) पर मिलते हैं। इस समय फास्फेटिक उर्वरकों की लागत पर २५ प्रतिशत की दर से सहायता दी जा रही है। १९५७-५८ में ९२ टन सुपरफास्फेट को बांटने के लिये ५५२० रुपये की सहायता मंजूर की गई है।

Improvement of Flood-affected Areas in Punjab

1729. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state the number and nature of schemes under consideration for permanent improvement of flood-affected areas such as Narot Jaimal Singh in District Gurdaspur in Punjab State?

The Minister of Irrigation and Power (Shri S. K. Patil): The Government of Punjab who were consult-